

संविद स्त्री. (तत्.) 1. चैतन्य, चेतना शक्ति 2. ज्ञान, बोध, जानकारी, समझ 3. महत्व (संख्या में) 4. अनुभूति, संवेदन 5. आपस में होने वाला इकरार या समझौता 6. उपाय, युक्ति 7. वर्तुत, हाल 8. प्रथा, रीति, रिवाज 9. नाम, संज्ञा 10. तुष्टि, तृपित, संतोष 11. युद्ध, लड़ाई 12. इशारा, संकेत 13. प्राप्ति, लाभ, संपत्ति, जायदाद 14. मिलने के लिए निर्धारित स्थान, संकेत स्थल 15. योग में प्राणायाम से प्राप्त होने वाली अनुभूति 16. भांग, विजया।

संविदा स्त्री. (तत्.) 1. कुछ निर्धारित शर्तों पर आपस में होने वाला किसी प्रकार का समझौता या इकरार 2. भांग का पौधा।

संविदाकार पुं. (तत्.) संविदा, इकरारनामा करने वाला।

संविदापत्र पुं. (तत्.) ऐसा पत्र या प्रलेख जिस पर किसी संविदा की शर्तें लिखी गई हों इकरारनामा, समझौता पत्र, ठीकानामा। contract deed

संविदा प्रविधि स्त्री. (तत्.) वह कानून या प्रविधि जिसमें संविदा या ठेके से संबंधित नियमों का विवेचन हो।

संविदारण पुं. (तत्.) 1. फटन, दरार, तोड़ना, फोड़ना, भंग करना 2. संबंध भंग, अनबन।

संविदित वि. (तत्.) 1. पूर्णतया ज्ञात, अच्छी तरह से ज्ञात, अच्छी तरह जाना हुआ 2. खोजा या ढूँढ़ा हुआ 3. सभी की सहमति से निर्धारित किया हुआ 4. जिसके बारे में वचन दिया या वादा किया गया हो 5. अच्छी तरह बतलाया या समझाया हुआ।

संविद्वाद वि. (तत्.) पाश्चात्य दर्शन का एक सिद्धांत जिस में वेदान्त के समान चैतन्य के अतिरिक्त और किसी वस्तु की पारमार्थिक सत्ता नहीं मानी जाती, चैतन्यवाद।

संविधाता वि. (तत्.) संविधान करने, बनाने वाला, संविधानक।

संविधान पुं. (तत्.) 1. समुचित विधान या व्यवस्था, उत्तम प्रबंध 2. बनावट, रचना 3.

दस्तूर, प्रथा, रीति 4. आधुनिक राजनीति और शासन तंत्र में कानून या विधान के रूप में बने हुए उन मौलिक नियमों या सिद्धांतों की पुस्तक जिसके अनुसार किसी राज्य, राष्ट्र या संस्था का संघटन, संचालन और व्यवस्था होती है, संविधान लिखित भी हो सकता है या अलिखित परिपाटियों पर भी चलता है जैसे- ब्रिटेन का संविधान उल्लिखित है और परिपाटियों पर चलता है, संविधान में राष्ट्र, राज्य, नागरिकों की शक्तियाँ, कर्तव्यों और उनके प्रयोग क्षेत्र की सीमाओं का निर्धारण होता है काव्य. 5. कथावस्तु में घटनाओं की व्यवस्था करना 6. विलक्षणता, अनूठापन।

संविधान परिषद स्त्री. (तत्.) किसी देश, राज्य, संस्था आदि की व्यवस्था और प्रशासन के लिए नियमावली या संविधान तैयार करने के लिए नियुक्त समिति या परिषद जिसमें अध्यक्ष के अलावा अनेक विशेषज्ञ सदस्य होते हैं।

संविधान सभा स्त्री. (तत्.) संविधान परिषद, संविधान तैयार करने वाले विशेषज्ञों का समूह।

संविधानवाद पुं. (तत्.) संविधान की महत्ता को मानने वाला सिद्धांत किसी देश या राज्य का शासन निर्धारित संविधान के अनुसार होना चाहिए।

संविधानवादी वि. (तत्.) 1. संविधानवाद से संबंधित, संविधानवाद का 2. वह व्यक्ति जो संविधान के प्रति निष्ठा रखता हो और संविधान का अनुयायी एवं पोषक हो 3. संविधान को मानने वाला।

संविन्यास पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु को समुचित रूप से रखना, जमाकर रखना 2. अच्छी तरह सजाने, संवारने, उचित आकार देने का ठीक क्रम में रखने की क्रिया या भाव।

संवीक्षित वि. (तत्.) 1. अवलोकित, अच्छी तरह से जांच पड़ताल किया हुआ 2. अन्वेषित, तलाश किया हुआ।

संवृति स्त्री. (तत्.) 1. आच्छादित, ढका हुआ होने की अवस्था या भाव 2. लपेटा, घिरा होने की